

DPN 5324

Title: सिद्धि लक्ष्मी त्रिवण्ड दण्डक स्तोत्र
SIDDHI LAKSMI TRIKHANDA DANDAKA STOTRA

Run. No. 6015

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Hyman Stotra*

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 8 x 16

Folios 13
9 pages blank
Chapt. / act /

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyaasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमः श्री सिद्धियोगिनी महामायो। निवसति करवीरे सर्वदा याश्मै
शाने विनातजन हितार्थे प्रेत रुद्राधिरुद्धा ॥
Col. इति श्री सिद्धिलक्ष्मी त्रिवण्ड दण्डक स्तोत्रं संपूर्णम् ॥ ॥

६८ सिद्धिलक्ष्मीत्रयस्य दण्डमस्तोत्र

७

0

Cms.

5

10

15

15

10

5

0

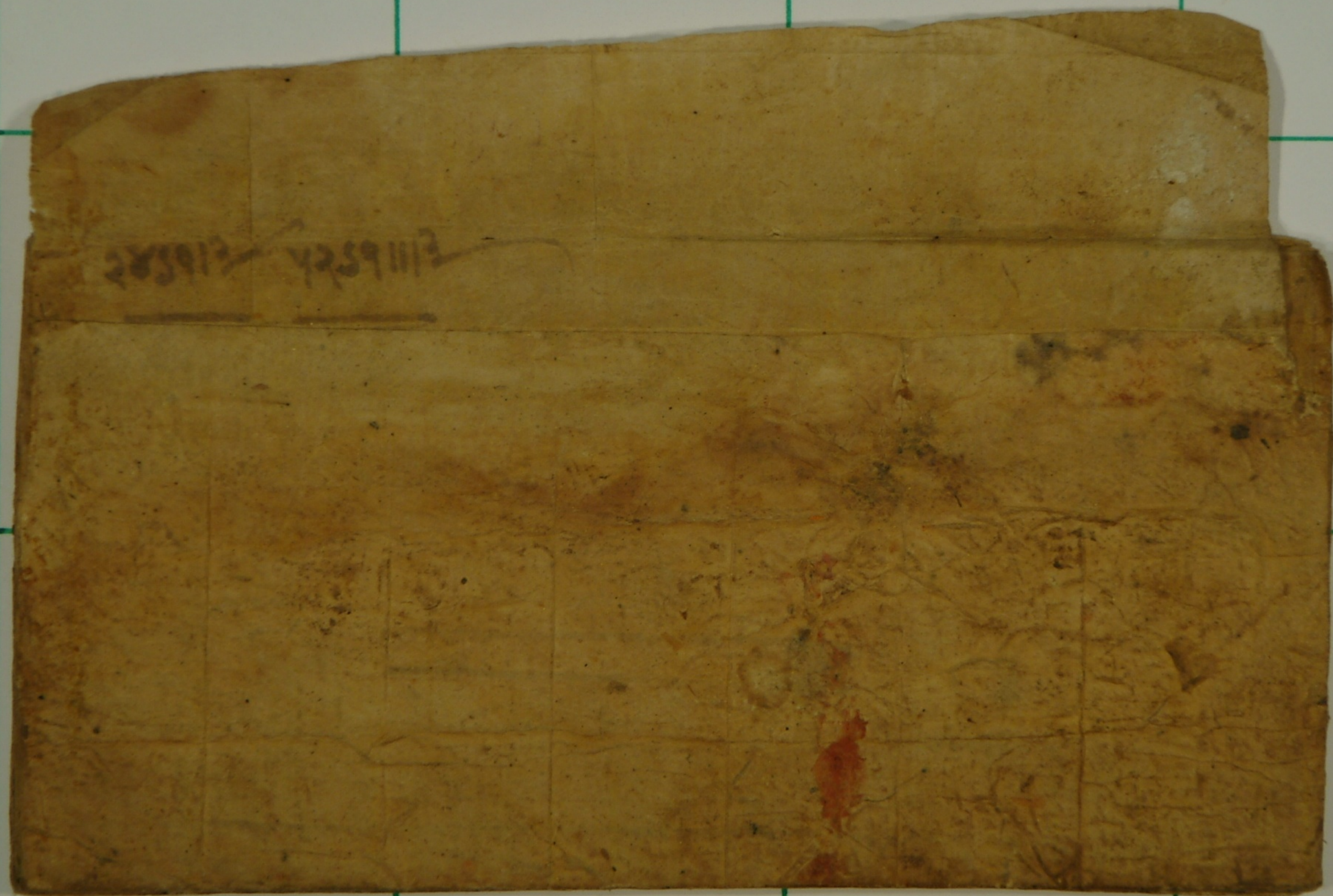
Cms.

5

10

15

20



ॐ नमः श्रीसिद्धिआगिनीमहामाया निवसति कनवीगस
र्वदायाः मम भक्त विनतजनहिताय प्रतनुदाधिवृत्ताहि
मकनहि मलुत्रापंचवक्राक्षभावा दिगुदुदुगुजामसा
लियंसिद्धिलक्ष्मीः॥ अय अय अय अय अय अय अय अय अय अय
नलभगएप्रमुखसूनसूकटमन्दानमालापनिमलमिलद
तिपटलववालवनलपुष्पनीकाङ्ककनकम्वविमलमन्द
किनीसूनदिन्दूकन्दानविन्दसन्दाहसून्दनलनीनप्रर

सुप्रर अय अय महाकालिकलमूनिवालनालनिसमच
चक्रमलप्रकाशनिसिद्धिगलयागिनीवीनविद्याधनाऊन
निकनमूनिनिकनम्वनितम्विनीकदम्वकिन्ननैयवाना
धमानकनालाविधानसिद्धिलक्ष्मीप्रदविनृपाकदव
संविमवानन्दनसादायिकप्रिगुवननायिकसूनदनध
मलिमूकावलीकलधनाहिचक्रप्रवाएनेलमूनम

नायमानगनूवल्लनीवहलपुणपगलपाटलीकृतमक
 लदिगमलुलंगलुलुलैललितनविगलिकलुलसम
 न्नगपीनकपिनकृत्तकलसयगलान्विगनवाललुलि
 गनयमलुवलीमलुगवधुनधिनपानप्रमरुप्रनकल
 कलागालवेगालकचनगालिकालुवनगाठवाप्रमुरवा
 ट्ठाकिनीचकचक्रमनवकिगविगाचयमत्कानविस्तुनि
 मपिगाचप्रवयवीत्कानधनिमृवनकनवीनमममन

धिवासिनीनूडस्कंधाधिनूडप्रजाधनमधमनविन्दमन्दि
 यादनाकशुनान्विगप्रमृफगुडगर्गनायमानकूलक
 लुलनीगकिप्रएप्रदीपिकाविशादितसूप्रन्नासवल
 विगमकागललमलुलामृनधनाधनिलीपयामिधि
 निमलुनमानसेनूदितहसेनखिलसाधकेनपिविगवि
 नमृगविगः मागकावकुमंगविगः मृगोत्ककं स्वमापून्
 मृगमयापूनागपनिमल्लवासितावासमनिगुपखलुन्

मल्लिमान् उगा कलापकलितकनवीनाद्यनकलहानकनकक
नकोनवमालिकामल्लिकारगाल्लिकामदयनिकामाधवी
विविधगन्धवन्धनगन्धवाहकलदनसमवनावलध्वनाका
नचकिंगिनयनावलउयउयउगकुननीयउ ॥ ॥ ॥
यउयनवाहनीनवपाधिकदिगगाहनीमकमाधियेवम
कालिकाप्रायलीकापालिनिननूधिनववहापिलिगपनिपू
भुकापालकेनवालप्रिहूलखद्वीगद्यष्टमूलुपाष्टद्वीगवना

एयरगाहिनदशकनसूकनवद्वीनासनसिद्धियारग
ध्वनीसिद्धिविद्याधनानरगन्धिध्वयमानाधिवलनयष्ट
महवावहाविभक्तद्वद्वीमहाद्वीभूमाख्यउमाख्यस
दापूरभूमाख्यलसगानकारख्यअकानाकनादनसू
नदम्बनाकानमहाध्यामिबामध्वनीकूविककुचनी
रगध्वनीकूचनीद्विकनीसम्बनीभक्तिवद्विकुचनी
ननूपगुलगीतनिमृगनिगपरागप्रदसंभवसा

यदथ आवा निउमदा निउमसो दून वास काल का चार्
 विमलवाध विविग न न्यद व प्ररुति एवा विविध गुनूपन
 मना सुति सुदि दय गि सुदय विविध विज्ञा धनी किन्नरी
 गान्धर्वो चाप्यनाग भिसुगाने कनूप गिक स्प एगी अमान
 समयव क्वच निग सूच निग मधूमाधवी पान मूख सुदि
 सिद्धा दुष्सा सुमसा सकसन स्वगी वदुः समा दुर्सी कना
 पविमलवहल कूच कल सलूलिग विप वि का प्रप श्रित

पंचनाग समाकर्ण लाक धनवेक गुगु अयग लार हल प्र
 लक मूक लिगान सुल विल सदि गिगान न्दालू सिग व
 न्दानिका हन्ध कनान धे न्द कू लिग वालव्य उन पवर
 नादुग आटन वी मिल दम न्द निर्य दमान मा उम्व
 विन्ध सीदा हसु न्द नान स्थ क ल्प द्मा रु लिन्द कू स
 ममालि उय उने नी सकल माला विष्णु ले दू दानि द
 विदुदा वान लदा हाग फद हसा धक सी जीव नोष धी

गनुमशुनीमशुककनुलमगगनदिनीउरुद्रधना
 कयाकुपानेननलधगतिमयतनमकिंचनन्यऊनव
 वनापनसहायमनाथमिदानीमम्वकदम्ववनवा
 सिनीमामवलाकयप्रसीदपनमध्वनीप्रसीदपनम
 ध्वनी॥ ॥पनमकानूहिकमहाएनवनूपध्वनिलिगि
 दहावनलमिगा॥ॐ नमःसर्वसिद्धियागिवक्रवर्णिनमः
 सिद्धिसाएकानन्दमेसर्वाप्रदामहाधिगानिक॥विनेनऊन

विप्रहानिककामानुगहरदुःनवकंतानिकःयोन्याधुपू
 ह्ययदामिकःशुनिइहदयइन्मयदूगतिवीविकटवा
 संकटपटिटीनसंतापपटलविप्राटिठःपदपटहम
 दकुडमनुगमनडिडिमाहएविविधवादीकुवाधन्व
 मेःसमनविपुसमनएवनमानमहासीसमगशदागुनूपू
 नकपूवप्रवनधूप्रियःमहातेजएवनमलिप्रकाशित
 विद्यादितवसुनिमलुपयलुवलीकापाटपूकुएवपू
 नी

15

10

5

0

Cms.

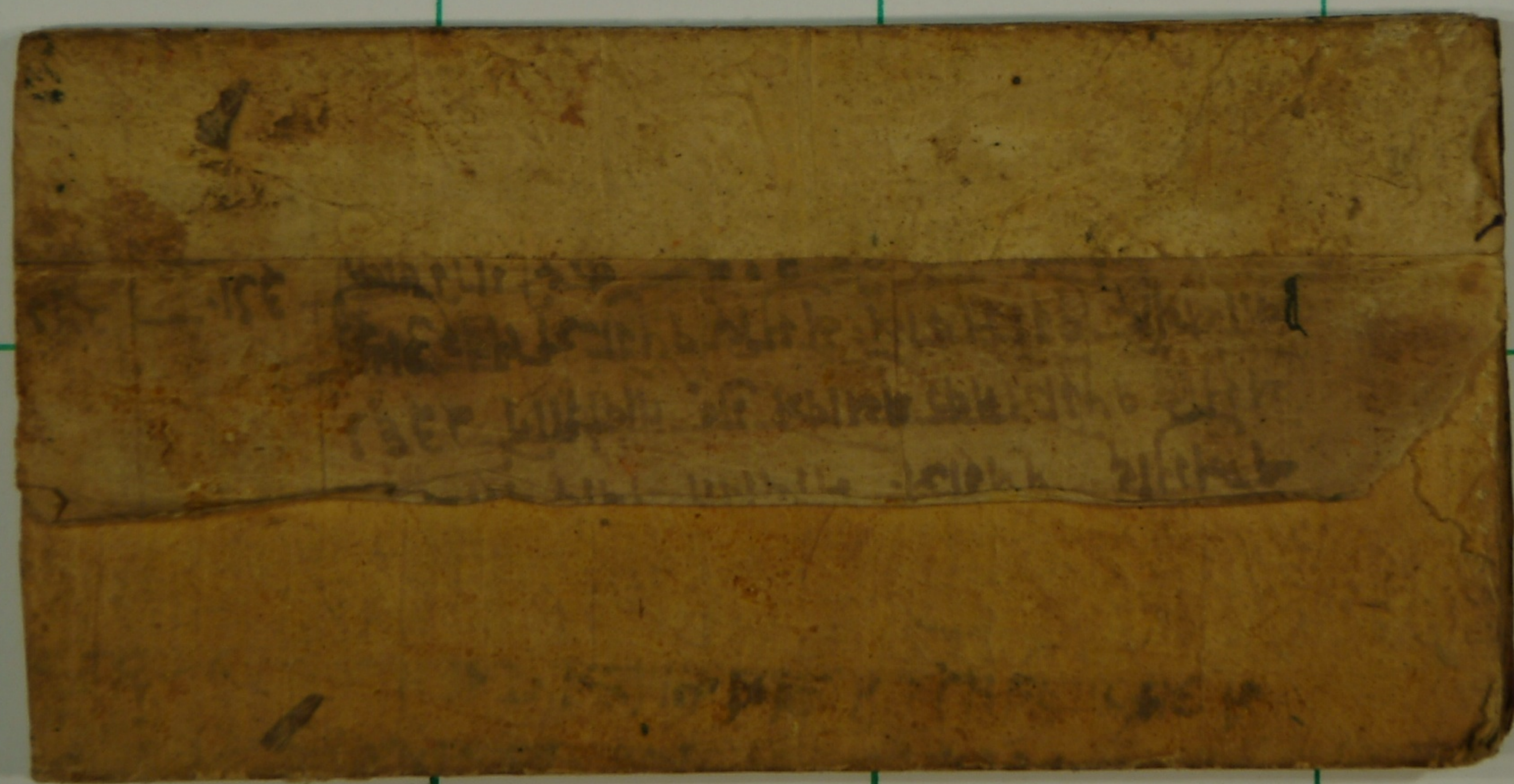
5

10

15

20

25



15

10

5

0

Cms.

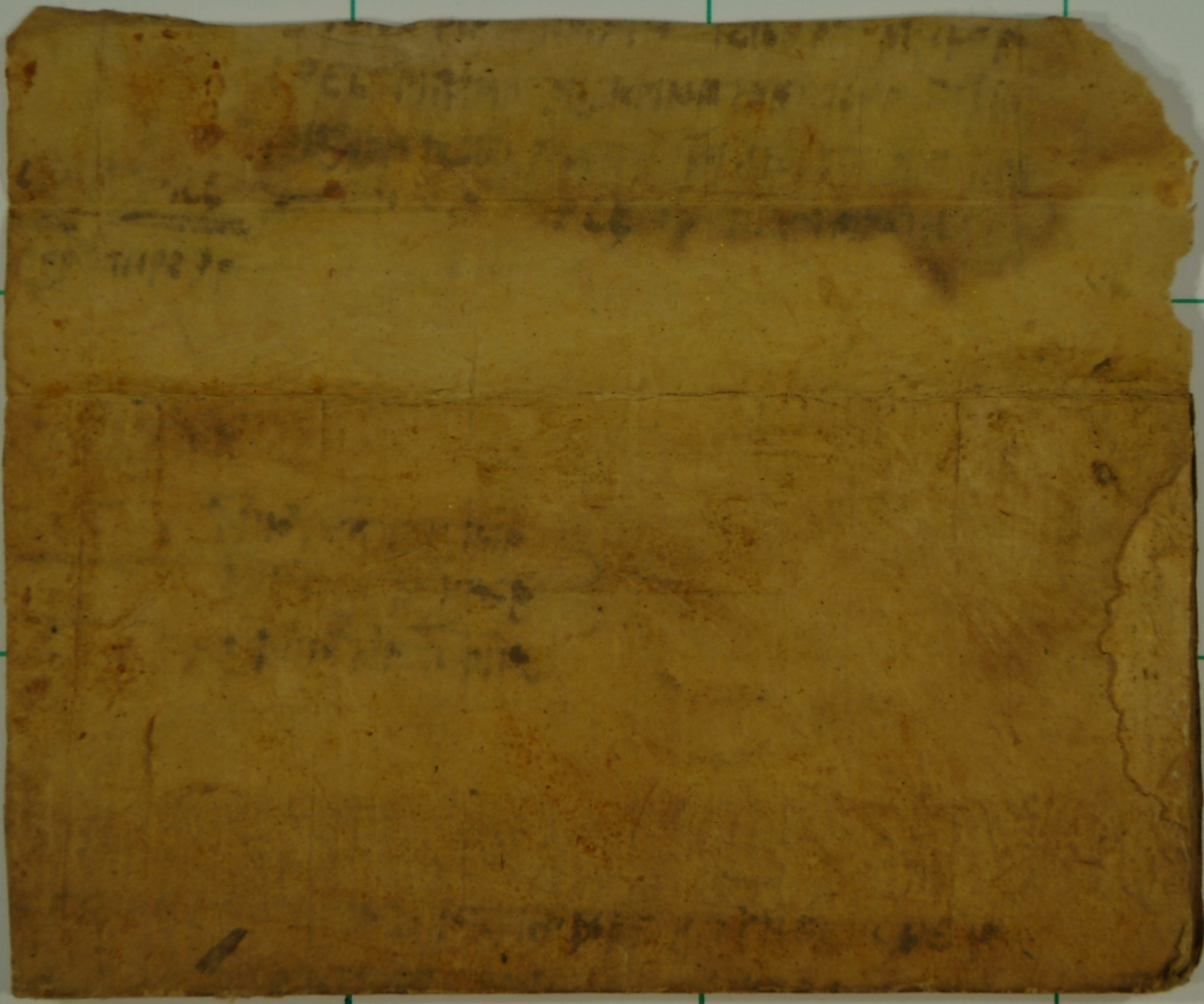
5

10

15

20

25



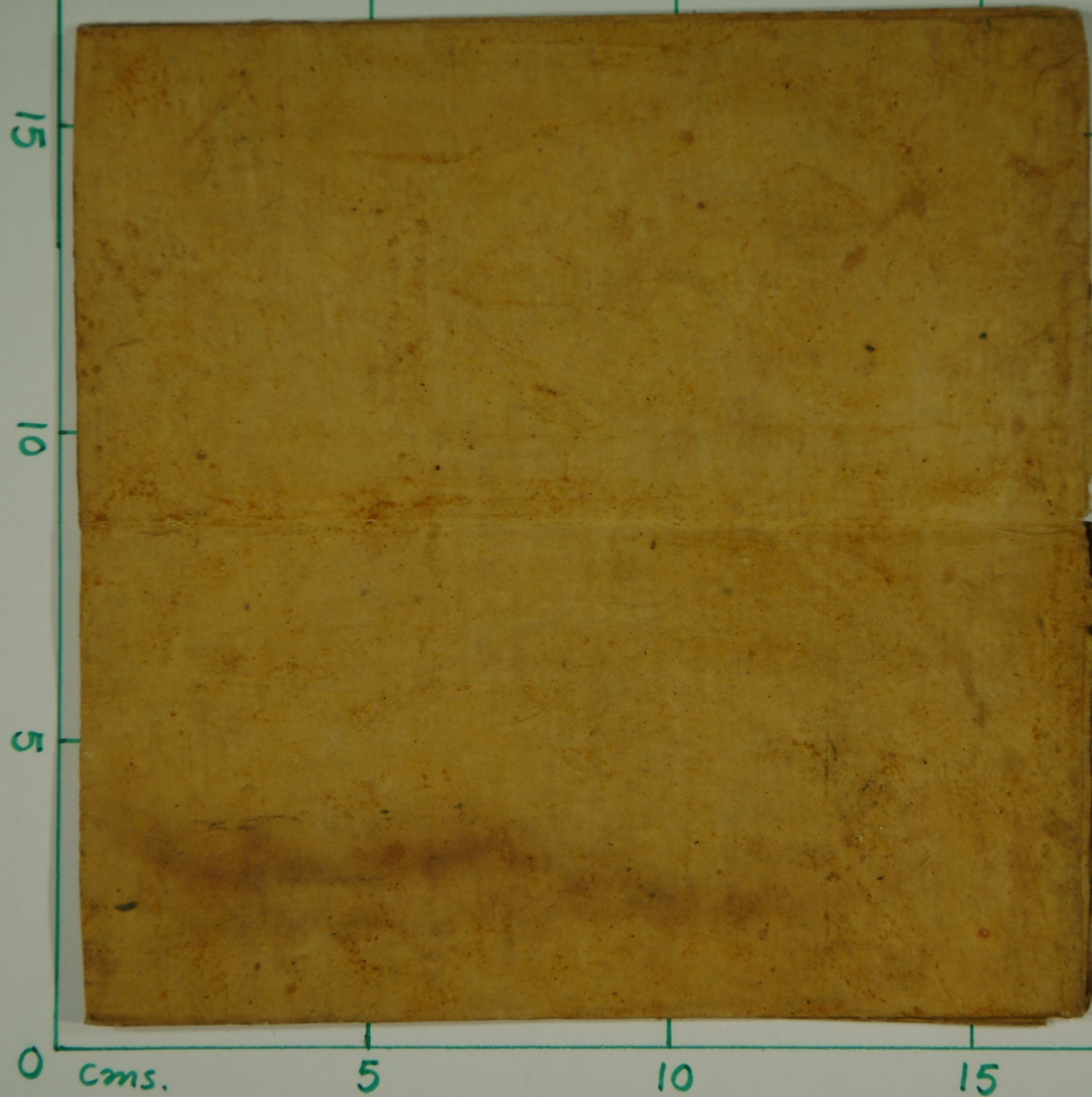
शुनीकाङ्क सहस्राक्षप्रभृदामननिकनविविधविनय
 वक्ष्युरलिपुदविगलिगकसुसमात्ताविल्लिगगुद
 लंसकलसक्तुसागप्रक्षरउनवस्तलेप्रसीदमदना
 मुनी. त्रिपुवनयुवगीवर्जदुर्गर्जदुर्गर्जतिदनलिक
 लनायिकनिखिलनिपुत्रथमेनी. ननवृधिनवक्षमसि
 मिष्टिगावप्राधवपानप्रमरः पशुपगलवन्धविष्मि
 नी. रगवनीरवानाधकामपिसोधकानी. महाएवनासम्

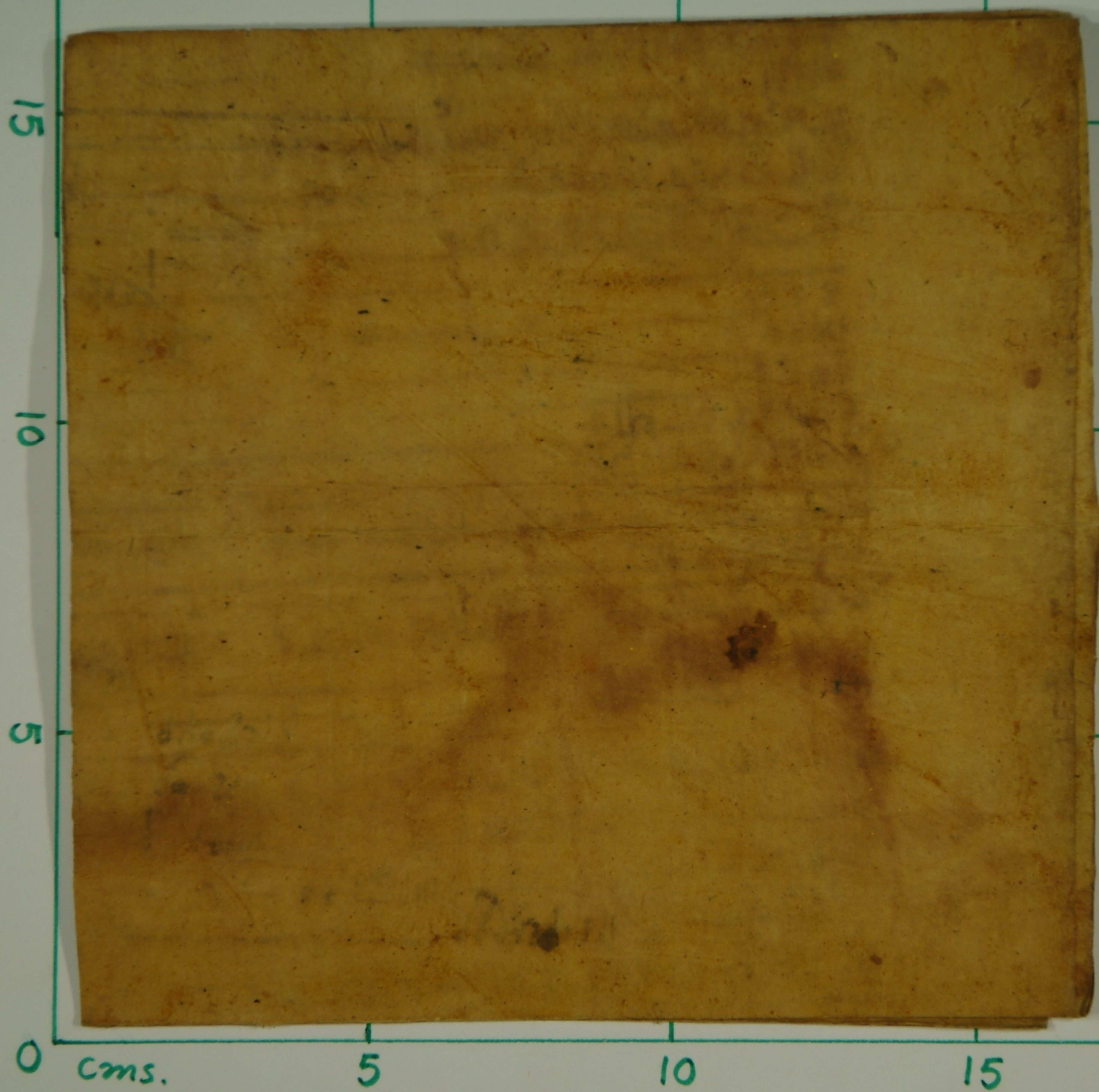
दिगः एवकानामरिमगविरुतिप्रदः सर्वमनारिलि
 खिरसक्तानननवल्ननी. पनद्वानानिकृन्मि. दृगान
 कृत्वात्मानि. ममापनार्धकमस्वदमस्व. हाकिना
 एथाहमकाकीपनिजनपनिहीनस्त्वदीयचनक्ष. मन
 क्षगनेत्वात्मनवधमरिवाद्यामनविकयामिप्रसाद
 यामिसिद्धास्वप्रधत्ततत्रागीरयएवृष्टाननानिम
 मच्छिन्दि. रिन्दिमस्तुलाप्रक्षग्रहगहनमितप्रसीदरु

मत्स्यकमत्वापनाधीनिवा ॥ सिद्धाम्बामनिमृदनायम
धूपपञ्चभिनामप्रणयस्मार्यस्तुनयकुनागसिखनास
कासवगभमपिष्ठाकोसादनपुलुनीकविलदास्तमु
सूत्ररुपयमामनुपार्थितपात्रिकारविकसदुष्टमि
हणवय ॥ ध्यात्वायः सिद्धिलक्ष्मीस्तवसुमलमल्लव
दुर्कमानसंगाभातः स्वायानसान्वयतिविनयिना

किनाथनएक्या ॥ अष्टौध्वर्यनूपनीवितनमिकन
क्षकल्पवल्लीएवत्वंसायवीदुर्गःदुर्वयानन
मिनिकनर्धसनीगस्यनिर्ग ॥ ॥ ॥ निष्ठीसिद्धि
नक्षीप्रिखलुदलुकसापुर्गपूरुमु ॥ ॥ ॥







15

10

5

0

Cms.

5

10

15

20

25

